अध्याय 3

0335CH03

एक सङ्ग पाबनि मनाबू उत्सव

फूलक पाबनि

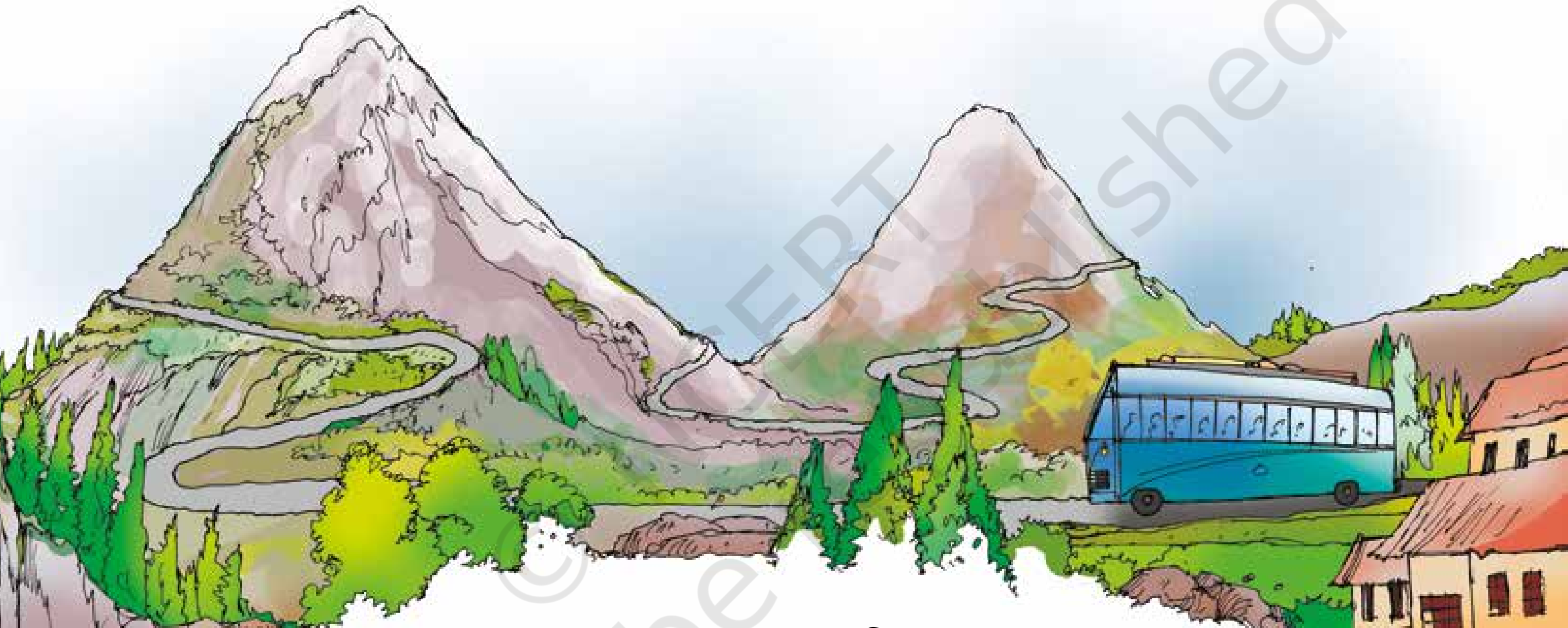

हमर नाम आरुष अछि।

हम जम्मूक रहनिहार छी। अपन माता-पिताक सङ्ग हम हिमालय केर जतरा पर निकसल छी। हम अपन यात्रा शुरु कऽ रहल छी मामा, मामी आ हमर ममियौत चिया आ नोनिका केर घरसँ। ओ सभ पहाड़क लग एकटा छोटेटा गाममे रहैत छथि। हमसभ बससँ यात्रा कऽ रहल छी। हम बसक सवारी केर आनन्द लऽ रहल छी आ खिड़कीक बाहर केर दृश्य सुन्नर अछि। सड़कपर घुमघुमौआ मोड़ अछि आ पहाड़क रङ्ग-बिरङ्गक फूलसँ अच्छादित अछि। बहुत दूर, हम भिन्न प्रकारक ऊँच गाछसभ सेहो देख पाइब रहल छी।

© NCERT not to be republished

चर्चा करू

- की अहाँ कहियो बस मे यात्रा केलहुँ? जँ हँ, तऽ अनुभव अपन सहपाठी सभक बतबियौक।
- अपन यात्रामे अहाँ कोन तरहक गाछ आ फूल देखलहुँ?
- यात्रामे अहाँकेँ कोन सुरक्षा व्यवस्था करबाक चाही?
- साइकिल चलबैत काल आ सड़कपर चलैत काल अहाँकेँ कोन सुरक्षा व्यवस्था करबाक चाही?

गतिविधि 1

स्तम्भ 'अ' मे स्तम्भ 'ब' केर बोर्ड पर देल सङ्केतकेँ ओकर अर्थसँ मिलाउ।

स्तम्भ 'अ'	स्तम्भ 'ब'
	पार्किंग मना अछि
	कृप्या हॉर्न नहि बजाबी
	गति अवरोधक
	कोनो यू- टर्न नहि अछि
	काज कऽ रहल छइथ
	आगा विद्यालय अछि

चित्र बनाउ

अहाँ सड़क पर बहुत रास बोर्ड देखने हएब। कोनो तीनटा सड़क सङ्केतक केर चित्र बनाउ आ नाम लिखू जे उप्परमे नहि देल अछि।

© NCERT not to be republished

किछु कालक बाद हमसभ मामा-मामी केर गामक बस स्टॉप पर पहुँचि गेलहुँ। हम उतरि गेलहुँ। मामाजी हमरासभक स्वागत करबाक लेल ओहिठाम रहथि। हमसभ एकटा चौड़ा पक्का सड़क पर चलए लगलहुँ जे हुनकर घर लग एकटा पातर माटिक रस्ता पकड़ि लेलक।

जहिना हमसभ मुख्य द्वारिकेँ पार केलहुँ त' देखैत छी जे हुनकर फुलबारीमे रङ्ग-बिरङ्गक फूल केर एकटा धारी अछि। हम ओहिमे सँ किछुकेँ चिन्हैत रही आ नाम बता सकैत रही, जेना कि गुलाब, गेन्दा आ अड़हुल। जे हो, हम फूलक एहि सुन्दरतासँ चकित रही जे हम पहिने जे सब किछु देखले रही ओहिसँ ई एकदस भिन्न छल।

"की अहाँ हमरा एहि फूलक नाम बता सकैत छी?" हम नोनिकासँ पुछलहुँ।

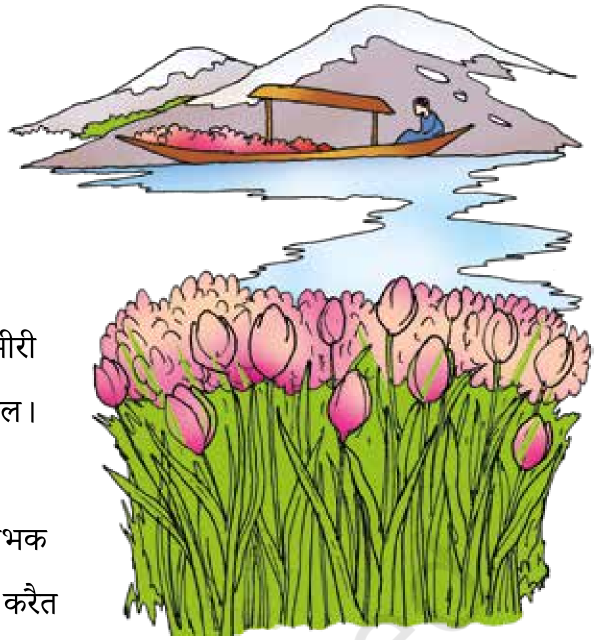

एक दिस इङ्गित करैत नोनिका कहलनि, “ई फूल ट्यूलिप अछि।

तखने मामी बच्चासभकेँ भोजन लेल बजा लेलनि।

सभकेँ गर्मागरम चाउरक भात केर सङ्ग एकटा कश्मीरी व्यञ्जन **हाख** (एक प्रकारक पातबला तरकारी) परसल गेल। ई वास्तवमे बहुत स्वादिष्ट रहैक!

“की अहाँ जनैत छी जे सालक एहि समयमे हमरासभक कश्मीरमे ट्यूलिप महोत्सव होइत छै?” नोनिका भोजन करैत पुछलनि।

“हमरा सब लग सेहो सुन्दर लाल फूल अछि जे बसन्तऋतुमे फुलाइत अछि। ओकरा कहल जाइत अछि बुरांश (रोडोडेण्ड्रोन)”,हमकहलियैक।

हम चिया आ नोनिकाकेँ बतेलहुं जे हमसब सेहो अपना ओतए बसन्तक पाबनि मनबैत छी। हम हुनका सभकेँ बतेलहुं जे कोना हमसभ सरिसो आ बुरांश केर फूल अपना घरक पड़ोसीसभक दरबज्जा पर रखैत छी। बुजुर्गसभ हमरा सभकेँ आशीर्वाद दैत छथि आ टॉफी आओर मिठाइ सेहो दैत छथि।

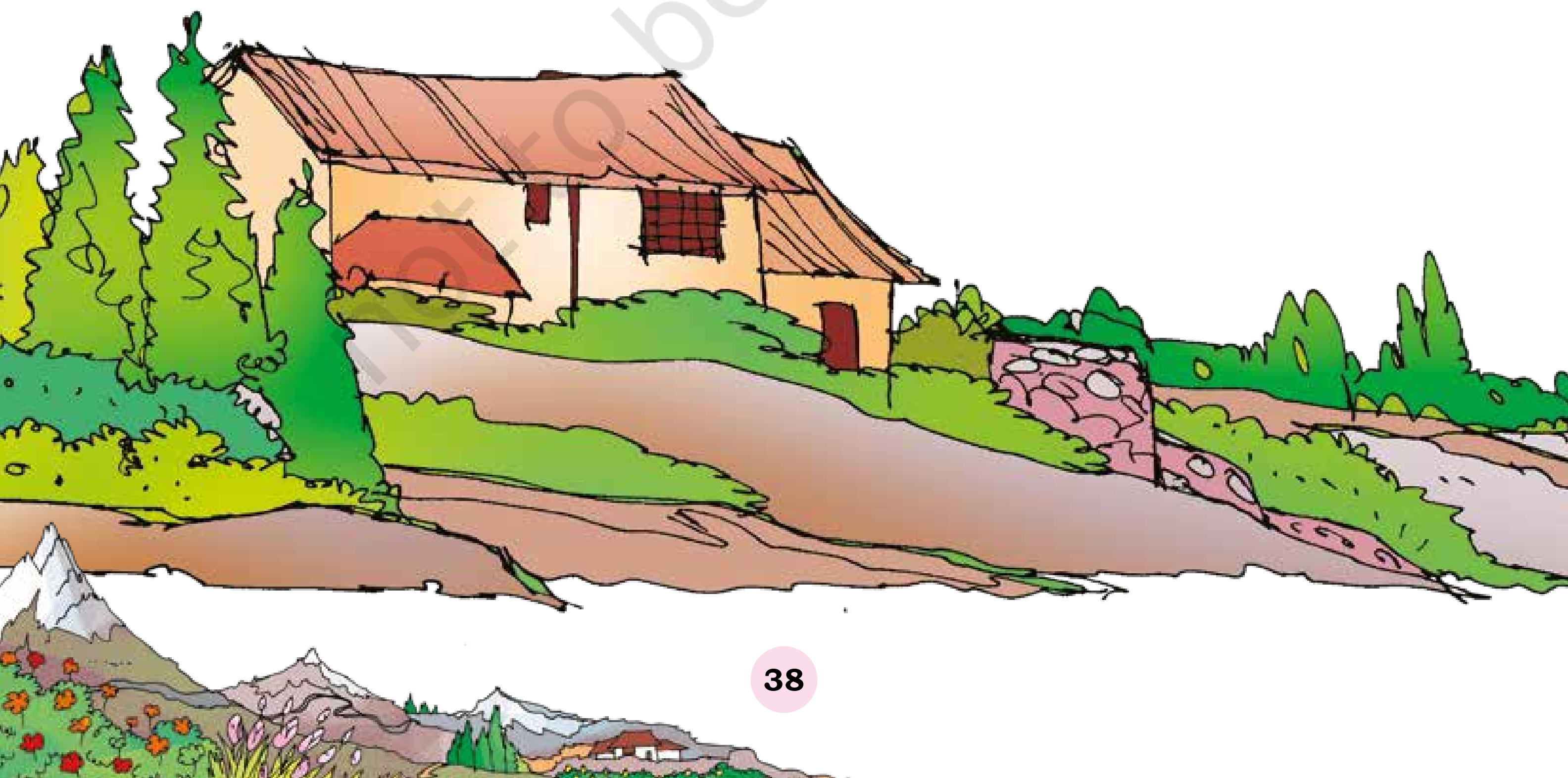

© NCERT not to be republished

चिया उत्साहसँ कहलनि, “केरल केर हमर मित्र वेङ्कट एकटा पाबनि मनबैत अछि जकर नाम **विशु** अछि। ओसभ बहूतेक पीयर रङ्गक अमलतासक फूल, सङ्गहि फल आ तरकारीक उपयोग करैत छथि **विशु कनि*** बनेबाक लेल।”

मामी सेहो हमरासभक गप्प-सप्पमे बैस गेलीह ओ कहलनि, “बसन्त तऽ प्रकृतक उत्सव अछि। कड़गर जाड़क बाद रौदक आ सुरूजक समय अबैत अछि आ हमसभ अपन चारू कात फूल फुलाइत देखैत छी, घास बढ़ैत अछि आ गाछमे

नबका पात निकलए लगैत अछि।”

हम मामी, चिया आ नोनिकासँ कहलहुँ जे अपना चारूकात सुन्नर आ रङ्ग-बिरङ्गक फूल जखन हम देखैत छी तऽ हमरा बहुत प्रसन्नता होइत अछि।

किछु दिनक बाद हमसभ घर आपिस आबि गेलहुँ। ई हमरा लेल अपन परिवारक सङ्ग बिताएल एकटा अद्भुत छुट्टी केर समय छल!

**विशु कनि मलयाली नव वर्षक पहिल दिन मनाओल जाएवला एकटा शुभ अनुष्ठान अछि। सूर्योदयक समय शुभ वस्तु देखलासँ आगाँ फलदायी आ समृद्ध वर्ष अएबाक अपेक्षा कएल जाइत अछि।*

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2

गाउ आओर आनन्द लिअ !

ओह ! आओल बसन्त पवन गेल गुनगुना,
नाचए सुखीसँ बच्चा लए झुनझुना,
गाछ पर नव पात देखाइ अछि।
फूल झुलबै बसात आ बहए सनसना। आओल बसन्त...

सुरूज चमकए देखू न आकाश मे,
चिड़ै-लुक्खी अछि नाचि रहल पासमे,
बसन्त अहीठाम अछि, देखू नाचैत गबैत,
भरल आशा उत्साह सँ मऽन करए
टनटना । आओल बसन्त..

© NCERT not to be republished

लिखू

1. अपन बुजुर्गसँ नीचा देल गेल सभ ऋतुक लेल अपना क्षेत्रमे मनाओल जाइबला पाबनि-तिहारक नामक विषयमे पूछू।

2. एहि पाबनि-तिहारक मध्य तैआर कएल गेल विशेष भोजनक सूची बनाउ।

ऋतु	उत्सव	विशेष तैआर भोजन
बसन्त		
ग्रीष्म		
बरखा		
शरत		

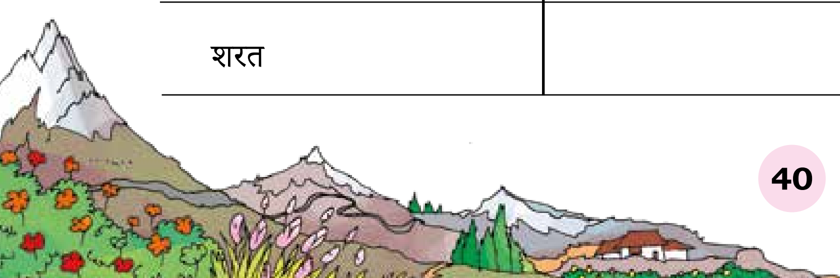

3. पाबनि-तिहारक समय अहाँ कोन विशेष वस्त्र पहिरैत छी?

____

____

गतिविधि 3

निच्चाँ देल गेल सूचीमे सँ भोजनसभक नाम पाबनिक सङ्ग मिलान करू।

बिहू	छइठ पाबनि	क्रिसमस	ईद-उल-फितर
होली	ओणम	उगादी	

पाबनि-तिहारक समय बनएबला व्यञ्जन	पाबनिक नाम
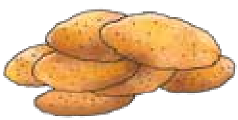 ठकुआ	छइठ पाबनि
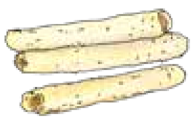 पिठा	______________
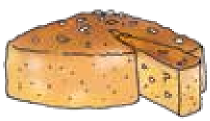 खजूर केक	______________
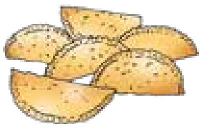 पिड़िकिया	______________
सद्या	______________
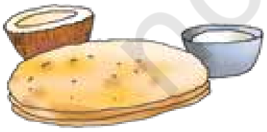 होलिगे	______________
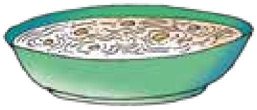 सेवइ	______________

© NCERT not to be republished

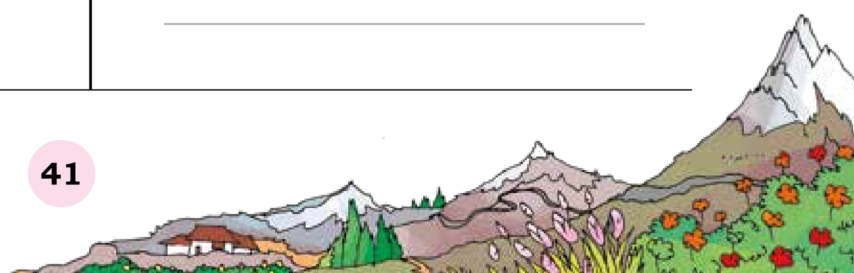

- की अहाँकेँ लगैत अछि जे सभ गोटे विभिन्न प्रकारक विशेष भोजन आ नव कपड़ाक सङ्ग पाबनि मनबैत छथि?
- जतए अहाँ रहैत छी ओकर लगपास कोनो पहाड़, नदी वा कोनो धार अछि की? की अहाँ कहियो दूर कोनो जगह पर कोनो सम्बन्धीसँ भेण्ट करबाक लेल हुनका ओतए गेल छी? ओइठाम अहाँकेँ केहन लगैत अछि?

आउ मन्थन करी!

क. चर्चा करू

1. यात्रा लेल परिवहन केर विभिन्न साधन की सभ अछि?
2. यात्रामे कोना सुरक्षित रहि सकैत अछि?
3. पाबनि-तिहारक समय कोन विशेष खाद्य पदार्थ तैआर कएल जाइत अछि?
4. कोनो पाबनि आ उत्सव हमरा सभकेँ कोना मेलजोल केर कारण बनैत अछि?
5. की अहाँकेँ प्रकृतिक सङ्ग समय बितौलासँ प्रसन्नता होइत अछि? प्रकृतिक कोन बातसँ अहाँकेँ प्रसन्नता होइ अछि?

ख. लिखू

1. कोनो दूटा सम्बन्धीक नाम लिअ जतए अहाँ हालहिमे गेल रही।
2. अहाँ अपन ममियौत आ पितियौत सभक सङ्ग कोना समय बितबैत छी?

रिक्त स्थान भरू

1. चिया आ नोनिका ________________ लगक एकटा छोट गाम मे रहैत छथि।
2. बस ________________ सड़कसँ जा रहल छल आ जतए पहाड़ रङ्ग-बिरङ्गक फूलसँ आच्छादित छल।
3. आरुष आ ओकर परिवार एकटा पातर ________________ रस्ता दऽ क' मामाक घर पहुँचल ।
4. बसन्त ऋतुमे फुलाइबला लालफूलक नाम ________________ अछि ।

© NCERT not to be republished

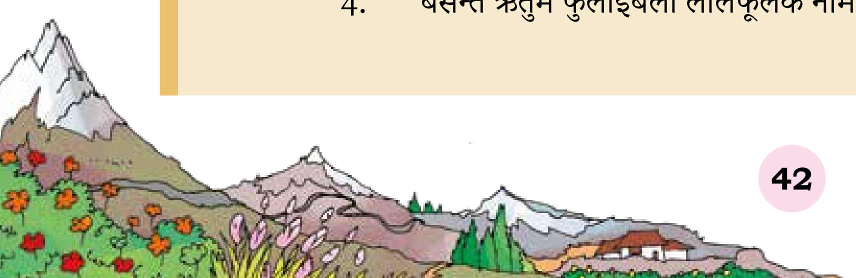

5. ______________ एक प्रकारक पत्ताबला तरकारी अछि जे गर्म चाउरक भात केर सङ्ग खाएल जाइत अछि।

ग. चित्र बनाउ

एकटा चार्ट पेपर लिअ आ निम्नलिखित लेल एकटा बोर्ड बनाउ। साइन बोर्ड बनेबाक लेल अहाँ अपन पसीनक कोनो चित्र आ रङ्गक उपयोग कऽ सकैत छी। बताबू जे अहाँ की बनेलहुँ।

- विद्यालयक पुस्तकालय
- शौचालय
- विधानसभा
- पियाउ
- खेल केर मैदान
- हमर कक्षा
- सीढ़ी

आनन्द लिअ!

© NCERT not to be republished

की अहाँ जनैत छी

संसार केर सबसँ विशाल पर्वतमाला भारतक उत्तरी क्षेत्रमे अछि आ एकरा **हिमालय** केर नामसँ जानल जाइत अछि। हिमालय (जकर अर्थ अछि '**बर्फक घर**')। दुनियाक सबसँ ऊँच पर्वत शिखर अछि **माउण्ट एवरेस्ट** आ ई हमर पड़ोसी देश नेपालमे स्थित अछि। माउण्ट एवरेस्टक ऊँचाइ लगभग 8,848 मीटर अछि।

की अहाँ जनैत छी

सरहुल: बसन्तक महोत्सव

सरहुल झारखण्डमे बसन्त ऋतुमे सेहो मनाओल जाइत अछि। लोक अपन पारम्परिक वस्त्र पहिरैत छथि आ सखुआ केर गाछ तक जुलूसमे जाइत छथि। ओ सभ सखुआक फूल आ ताजा अङ्कुरित अनाज लऽ क जाइत छथि। श्रद्धा आ कृतज्ञताक सङ्ग पृथ्वी आ सुरूजकेँ प्रसाद दैत छथि। ओ ढोल, नगाड़ा आ अन्य स्थानीय सङ्गीत वाद्ययन्त्रक धुन पर एक सङ्ग गाबि आ नाचि कए **सरहुल** मनबैत छथि।